च) आयोग द्वारा लिखित परीक्षा के आधार पर शारीरिक जाँच परीक्षा तथा चिकित्सीय जाँच परीक्षा में योग्य पाये गये अभ्यर्थियों की मेधासूची गठित की जायेगी तथा उनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन करते हुए परीक्षाफल प्रकाशित किया जायेगा। इस क्रम में पद रिक्त रह जाने की स्थिति में आयोग पुनः अपेक्षित संख्या में लिखित परीक्षा के मेधाक्रम में नीचे के अभ्यर्थियों की सूची शारीरिक जाँच परीक्षा/चिकित्सीय जाँच परीक्षा के आयोजन हेतु चयन पर्षद को उपलब्ध करायेगा। मेधाक्रम में नीचे के अभ्यर्थियों के चयन के क्रम में अधोलिखित कंडिका 10 (i) में प्रावधानित न्यूनतम अर्हतांक का अनुपालन किया जायेगा।

9.3 लिखित परीक्षा :– लिखित परीक्षा में निम्नलिखित तीन पत्र होंगे। **प्रत्येक पत्र की परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। तीनों ही पत्रों के प्रत्येक प्रश्न तीन अंक के होंगे। सही उत्तर के लिए तीन अंक प्रदान किये जायेंगे एवं प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की कटौती की जाएगी। तीनों पत्रों के सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर आधारित होंगे।**

(I) **पत्र 1 – विषय : (भाषा ज्ञान)**

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान – 80 प्रश्न

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 40 प्रश्न

कुल – 120 प्रश्न

इस परीक्षा में उर्त्तीण होने के लिए 30 प्रतिशत न्यूनतम अर्हतांक निर्धारित रहेगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जाएंगे। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

(II) **पत्र 2 – (क्षेत्रीय /जनजातीय अन्य भाषा ज्ञान)**

हिन्दी/ अंग्रेजी/ उर्दु/ संथाली/ बंगला/ मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडूख (उराँव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/ पंचपरगनीया/ उड़िया/ संस्कृत में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के एक सौ (100) बहुविकल्पीय उत्तर आधारित प्रश्न पूछे जायेगे।

(III) **पत्र :– 3**

इस पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या 120 (एक सौ बीस) होगी **एव विषय** तथा प्रश्नों की संख्या **अधोलिखित होगीः–**

सामान्य अध्ययन	–	40 प्रश्न
झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	50 प्रश्न
सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न
सामान्य गणित	–	10 प्रश्न
कुल	–	120 प्रश्न

टिप्पणी–(1) पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत होगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

(2) पत्र–2 जनजातीय/क्षेत्रीय/अन्य भाषा ज्ञान तथा पत्र–3 सामान्य ज्ञान की परीक्षा में कोई न्यूनतम अर्हतांक नहीं होगा।

(3) पत्र–1 भाषा ज्ञान की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 में प्राप्त अंकों को जोड़ कर कुल अंकों के आधार पर मेधा का निर्धारण किया जायेगा।

(4) प्रत्येक पत्र की परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी।

9.4 मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम :–

(I) <u>पत्र–1 (भाषा ज्ञान)</u>

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i)	हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	20 प्रश्न
(ii)	हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	60 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

<u>पत्र–1 (अंग्रेजी भाषा ज्ञान)</u>

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i)	अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	10 प्रश्न
(ii)	अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(II) <u>पत्र–2 (जनजातीय/क्षेत्रीय/ अन्य भाषा ज्ञान)</u>

विभिन्न भाषाओं से सम्बन्धित विस्तृत पाठ्यक्रम **परिशिष्ट**–VII के रूप में विवरणिका के साथ संलग्न है।

(III) <u>पत्र–3 (सामान्य ज्ञान)</u>

(क) सामान्य अध्ययनः– इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के आस–पास के वातावरण की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के संबंध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जिसे कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसमें झारखण्ड राज्य एवं भारत देश के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय– राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार, भारतीय भाषाऐं, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी महत्वपूर्ण घटनाऐं। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, झारखण्ड राज्य की सामान्य जानकारी।

(ख) **झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञानः**–झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी इत्यादि।

(ग) सामान्य विज्ञान :– सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित विषय रहेंगें, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(घ) सामान्य गणित :– इस विषय में सामान्यतः मैट्रिक/दसवीं कक्षा स्तर के अंक गणित से सम्बन्धित प्रश्न रहेंगे।

Jobsarkari.com